साँवरे तेरी सेवा | By Kumar Deepak & Karishma Chawla

सांवरे.....
मेरे बाबा तेरी सेवा, मरकर भी ना छूटे
सांस चाहे टूटे बाबा दर ये ना छूटे
मेरे बाबा तेरी सेवा

मांग ना करुँगी कभी तुमसे पगार कभी
बस तुम संभाले रखना डोर परिवार की
चारो पहर मैं तेरी हाज़िरी बजाऊंगा
सुनके जिसे तू खुश हो भजन वो सुनाऊंगा
सुख में रहूं दुख में रहूं,
बस प्रभु ये दर तेरा मरकर भी ना छूटे
मेरे बाबा तेरी सेवा.....

शहन्शाह तू बाबा ये दुनिया प्रजा है
राजी है जिसमे प्रभु तेरी रज़ा है
जैसा कहोगे वैसा करते जायेंगे
फैसलों को तेरे कभी नहीं ठुकरायेंगे
इतनी सी मैं अर्ज़ी करू
बस प्रभु ये दर तेरा मरकर भी ना छूटे
मेरे बाबा तेरी सेवा.....

घबराएगा ये मन तो चरणों को छू लूंगी
तुझको कभी भी मेरे सांवरे ना भूलूंगी
कैसे भूल जाऊं तूने प्यार जो लुटाया है
फर्श से उठा कर मुझको अर्श पे बिठाया है
सेवा तेरी मिलती रहे
बस प्रभु ये दर तेरा मरकर भी ना छूटे
मेरे बाबा तेरी सेवा.....

दु:ख मैं ना भूलू तुझे, सुख में तू याद हो
हर एक रिश्ता मेरा श्याम तेरे बाद हो
यूँ तो तुम्हारे बाबा सेवक अनेक हैं
बनना मुझे भी माधव उनमे से एक है
भूलू नहीं तुझको कभी
बस प्रभु ये दर तेरा मरकर भी ना छूटे
मेरे बाबा तेरी सेवा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%be-by-kumar-deepak-karishma-chawla/